3 बाल स्वामीनाथन

कहानी

पाठ चर्चा : सभी बच्चों के माता-पिता उनके खाली समय का सदुपयोग करने के लिए उन्हें प्रतिदिन थोड़ा-थोड़ा पढ़ाना-लिखाना चाहते हैं, जिससे बच्चों का बौद्धिक विकास हो सके और वे समय के महत्व को भी समझें। चलिए, अब स्वामीनाथन की कहानी पढ़कर आगे जानते हैं...।

गरमियों की छुट्टियों के तीसरे दिन ही पिताजी ने स्वामीनाथन को घर से बाहर निकलते देखा, तो आवाज़ देकर बुलाया। पिताजी छोटे-से आँगन में धोती-बनियान पहने खड़े थे। अपने पिताजी को इस पोशाक में देखना स्वामी को अच्छा नहीं लगता था, क्योंकि इसका मतलब होता था कि वे निकट भविष्य में बाहर जाने वाले नहीं हैं।

"कहाँ जा रहे हो?"

"कहीं भी नहीं।"

"बाहर नहीं जाओगे, बैठकर पढ़ो।"

वह मन-ही-मन सोच रहा था कि यदि छुट्टियों में भी पढ़ाई करना ज़रूरी है, तो छुट्टियाँ दी ही क्यों जाती हैं?

थोड़ी देर बाद स्वामीनाथन पिताजी के कमरे में आया। पिताजी ने गणित की पुस्तक खोल रखी थी। उन्होंने उसे लिखाया, "राम के पास दस आम हैं, जिससे वह पंद्रह आने कमाना चाहता है। कृष्ण को सिर्फ़ चार आम चाहिए। कृष्ण को इसके बदले कितने पैसे देने पड़ेंगे?"

आमों की बात सुनकर उसके मुँह में पानी आ गया। उसकी समझ में नहीं आया कि राम ने दस आमों की पंद्रह आने कीमत क्यों रखी?

"तुमने सवाल लिख लिया?"

पिताजी ने अखबार से नज़र उठाकर पूछा।

"पिताजी, क्या आप बताएँगे कि आम कच्चे थे या पके हुए?"

पिताजी कुछ क्षण उसे देखते रहे, फिर बोले, "पहले सवाल हल करो। बाद में बताऊँगा कि आम कच्चे थे या पके हुए।"

स्वामीनाथन को लगा, वह बिलकुल लाचार है। काश! पिताजी बता देते कि राम कच्चे आम बेच रहा था या पके हुए। स्वामीनाथन ने स्लेट को दूर हटाकर कहा, "पिताजी, मुझसे सवाल नहीं होता।"

"स्लेट इधर लाओ। मैं अभी तुम से जवाब निकलवाता हूँ।" पिताजी ने सवाल को मन में पढ़ा और पूछा—"दस आमों की कितनी कीमत है?"

स्वामीनाथन ने सवाल पर नज़र डालकर यह जानना चाहा कि उसके किस हिस्से में जवाब छिपा है, फिर बोला, "पता नहीं।"

"पढ़ो, सवाल को ध्यान से पढ़ो। राम ने दस आमों की कितनी रकम माँगी?"

"पंद्रह आने।", स्वामीनाथन ने कहा, किंतु उसका मन मानने को तैयार नहीं था।

"बहुत अच्छा। अब कृष्ण कितने आम लेना चाहता था?"

"चार।"

"चार आमों का कितना दाम हुआ?"

स्वामीनाथन ने सोचा कि वह कैसे जान सकता है कि बेवकूफ़ कृष्ण कितना दाम देगा। पिताजी आग बबूला हो गए थे।

स्वामीनाथन की बोलती बंद थी, क्योंकि वह यह फ़ैसला नहीं कर सकता था कि सवाल जोड़ का है, घटा का है, गुणा का है या भाग का है।

"जब तक तुम नहीं बताओगे कि दस आमों के पंद्रह आने, तो एक आम कितने का, तब तक मैं

तुम्हें उठने नहीं दूँगा।" स्वामीनाथन आँखें मिचमिचाकर सोचता रहा, "पिताजी को क्या हो गया है? आम की कीमत जानने की क्या ज़रूरत है? यदि पिताजी जानना ज़रूरी समझते हैं, तो वे बाज़ार जाकर पूछ क्यों नहीं आते?" राम और कृष्ण के बीच कुछ आमों और कुछ पैसों के लेन-देन को लेकर लंबी चिकचिक पर स्वामीनाथन को बहुत झुँझलाहट हो रही थी।

पिताजी ने यह कहकर हार मान ली, "एक आम की कीमत होगी पंद्रह बटा दस। अब इसे सरल करो।" स्वामीनाथन ने देखा कि उसे गणित के भयानक क्षेत्रों में धकेला जा रहा है। उसने सवाल हल किया और पंद्रह मिनट बाद बोला, "एक आम की कीमत हुई तीन बटा दो आना।" उसे उम्मीद थी कि उत्तर गलत बताया जाएगा, किंतु पिताजी ने कहा, "बहुत अच्छे, इसे भी सरल करो।" एक घंटा यातना झेलने के बाद स्वामीनाथन ने घोषणा की, "कृष्ण को छह आने देने होंगे।" इसके साथ ही वह रो पड़ा। उसके आँसू देखकर पिताजी उसके मनोभावों को समझ गए।

शाम 5 बजे क्लब जाते समय स्वामीनाथन के पिताजी ने स्वामी को खंभे के पीछे उदास खड़ा देखकर उससे पूछा, "क्यों बेटा! मेरे साथ क्लब चलोगे?" स्वामी एक क्षण के लिए ओझल हुआ और फिर कोट-टोपी पहनकर प्रकट हो गया। स्वामीनाथन का मुरझाया चेहरा खिल उठा था। घर के बाहर कार का हॉर्न बजा। पिताजी ने टेनिस का रैकेट उठाया और स्वामीनाथन को साथ लेकर तेज़ी से कार की ओर बढ़ चले।

बच्चो! क्या आप जानते हैं? ..... यही बालक स्वामीनाथन बड़ा होकर भारत की हरित क्रांति का जनक बना। आप पौधों के जेनेटिक वैज्ञानिक हैं। आपने 1966 में मैक्सिको के बीजों को पंजाब की घरेलू किस्मों के साथ मिश्रित करके उच्च उत्पादकता वाले गेहूँ के संकर बीज विकसित किए। डॉ० स्वामीनाथन का जन्म 7 अगस्त, 1925 में तमिलनाडु के कुंभकोणम में हुआ था।

—आर० के० नारायण

शब्दार्थ

पोशाक — वेशभूषा; **लाचार** — असहाय; **दाम** — मूल्य; **ओझल** — गायब; **चिकचिक** — बहस; **फ़ैसला** — निर्णय; **यातना** — कष्ट, परेशानी।

श्रुतलेख :

छुट्टियों	आँगन	भविष्य	क्षण	स्लेट	हिस्से
बेवकूफ़	फ़ैसला	मिचमिचाकर	झुँझलाहट	उम्मीद	क्लब
स्वामीनाथन	रैकेट	क्रांति	जेनेटिक	मिश्रित	कुंभकोणम

मुहावरा : **आग बबूला होना** — अत्यधिक क्रोध करना

अभ्यास

मौखिक कार्य.....

❖ **उत्तर बताओ :**

क. स्वामीनाथन को पिताजी ने क्या आज्ञा दी?

ख. पिताजी ने क्या कहकर हार मान ली?

ग. स्वामीनाथन को कहाँ धकेला जा रहा था?

घ. स्वामीनाथन के पिताजी शाम को 5 बजे कहाँ जा रहे थे?

लिखित कार्य.....

1. दिए गए प्रश्नों के विस्तृत उत्तर लिखो :

क. पढ़ने के लिए कहने पर स्वामीनाथन ने मन ही मन क्या सोचा?

ख. पिताजी ने स्वामीनाथन से क्या सवाल पूछा?

ग. स्वामीनाथन क्या फ़ैसला नहीं कर पा रहा था?

घ. स्वामीनाथन को किस बात पर झुँझलाहट हो रही थी?

ङ. स्वामीनाथन ने किसके और किस प्रकार के बीज विकसित किए?

2. सही उत्तर के सामने ✓ चिह्न लगाओ :

क. डॉ० स्वामीनाथन का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

(i) 7 अगस्त, 1925 में तमिलनाडु के कुंभकोणम में।

(ii) 17 अगस्त, 1925 में तमिलनाडु के धनुषकोडी में। ☐

(iii) 5 अगस्त, 1930 में तमिलनाडु के रामेश्वरम् में। ☐

ख. स्वामीनाथन बड़े होकर क्या बने?

(i) कम्युनिस्ट पार्टी के जनक ☐ (ii) श्वेत क्रांति के जनक ☐

(iii) हरित क्रांति के जनक ☐

ग. किसका नाम सुनकर स्वामीनाथन के मुँह में पानी आ गया?

(i) अमरूद ☐ (ii) आम ☐ (iii) लीची ☐

घ. पिताजी स्वामीनाथन को अपने साथ कहाँ ले गए?

(i) पुलिस क्लब ☐ (ii) रोटरी क्लब ☐ (iii) टेनिस क्लब ☐

3. पाठांश पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखो :

पिताजी ने यह कहकर हार मान ली, "एक आम की कीमत होगी पंद्रह बटा दस। अब इसे सरल करो।" स्वामीनाथन ने देखा कि उसे गणित के भयानक क्षेत्रों में धकेला जा रहा है। उसने सवाल हल किया और पंद्रह मिनट बाद बोला, "एक आम की कीमत हुई तीन बटा दो आना।" उसे उम्मीद थी कि उत्तर गलत बताया जाएगा, किंतु पिताजी ने कहा, "बहुत अच्छे, इसे भी सरल करो।" एक घंटा यातना झेलने के बाद स्वामीनाथन ने घोषणा की, "कृष्ण को छह आने देने होंगे।" इसके साथ ही वह रो पड़ा। उसके आँसू देखकर पिताजी उसके मनोभावों को समझ गए।

क. पिताजी ने क्या कहकर हार मान ली?

.....

ख. स्वामीनाथन को क्या उम्मीद थी?

.....

ग. यातना झेलने के बाद स्वामीनाथन ने क्या घोषणा की?

.....

4. ये कथन किसने-किससे कहे?

वाक्य	किसने कहा	किससे कहा
क. "कहीं भी नहीं।"	.....	.....
ख. "तुमने सवाल लिख लिया?"	.....	.....
ग. "चार आमों का कितना दाम हुआ?"	.....	.....

घ. "आम की कीमत जानने की क्या ज़रूरत है?" ....

ङ. "बहुत अच्छे, इसे भी सरल करो।" ....

भाषा की बात.....

1. दिए गए शब्दों के बहुवचन लिखो :

आवाज़	—	आवाज़ें	छुट्टी में	—	छुट्टियों में
पुस्तक	—	.....	पोशाक में	—	.....
कमरा	—	.....	सवाल को	—	.....
पैसा	—	.....	आम की	—	.....

2. दिए गए श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्दों के सही अर्थ पर ✓ लगाओ :

क. कड़ाई, कड़ाही ➤ (i) सख्ती, एक बरतन ☐

(ii) काढ़ना, एक बरतन ☐

ख. उपयुक्त, उपर्युक्त ➤ (i) सही, नीचे कहा गया ☐

(ii) ठीक, ऊपर कहा गया ☐

ग. दशा, दिशा ➤ (i) धन, अवस्था ☐

(ii) अवस्था, ओर ☐

घ. समान, सामान ➤ (i) बराबर, वस्तुएँ ☐

(ii) धोखा, वस्तुएँ ☐

3. रंगीन शब्दों की जगह सही समानार्थी शब्द लिखकर वाक्य फिर से लिखो :

क. चार आमों का कितना दाम हुआ?

.....

ख. वह फ़ैसला नहीं कर सकता था।

.....

ग. पिताजी ने अपनी हार स्वीकार की।

.....

घ. उन्होंने बेटे को सारी दोपहर परेशानी में डाले रखा।

.....

4. निर्देशानुसार संशोधन कर वाक्य को पुनः लिखो :

क. सवाल हल करो, बाद में उत्तर बताऊँगा। ('पहले' का प्रयोग)

.....

ख. तुम नहीं बताओगे, मैं तुम्हें नहीं छोड़ूँगा। ('जब तक .... तब तक' का प्रयोग)

.....

ग. पिताजी ज़रूरी समझते हैं, बाज़ार जाकर पूछ लें। ('यदि .... तो' का प्रयोग)

.....

5. दिए गए मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग करो :

क. लाल-पीला होना — .....

.....

ख. आग बबूला होना — .....

.....

ग. आपे से बाहर होना — .....

.....

विचार-कौशल.....

1. आपको गणित विषय कैसा लगता है? सोचकर अपने विचार लिखो।

.....

.....

.....

.....

2. सही उत्तर के सामने ✓ लगाओ :

क.	₹ 2.05	—	(i) 205 पैसे ☐	(ii) 25 पैसे ☐
ख.	7035 पैसे	—	(i) ₹ 7.35 ☐	(ii) ₹ 70.35 ☐

ग. ₹ 2 के 5 सिक्के — (i) ₹ 10 ☐ (ii) ₹ 52 ☐

रचनात्मक कार्य.....

❖ **पहेलियाँ बताओ :**

क. एक मेज़ पर चार आम थाली में, बताओ कुल कितने आम हैं?

ख. एक बहादुर ऐसा वीर, गाना गाकर मारे तीर।

ग. दो पिता–पुत्र, लड्डू लाए तीन
बराबर–बराबर खाएँ–न तोड़े न फेंके
बताओ कैसे संभव है?

हल की विधि भी जानो

एक आना = छह पैसे

∵ राम के पास आम हैं = 10

आम बेचकर राम कमाना चाहता है = 15 आने = 15 × 6 = 90 पैसे

∴ 1 आम का मूल्य हुआ = 90 ÷ 10 = 9 पैसे

∵ कृष्ण आम खरीदना चाहता है = 4

अतः उसे 4 आमों का मूल्य देना पड़ेगा = 4 × 9 = 36 पैसे अर्थात् छह आना। **उत्तर**